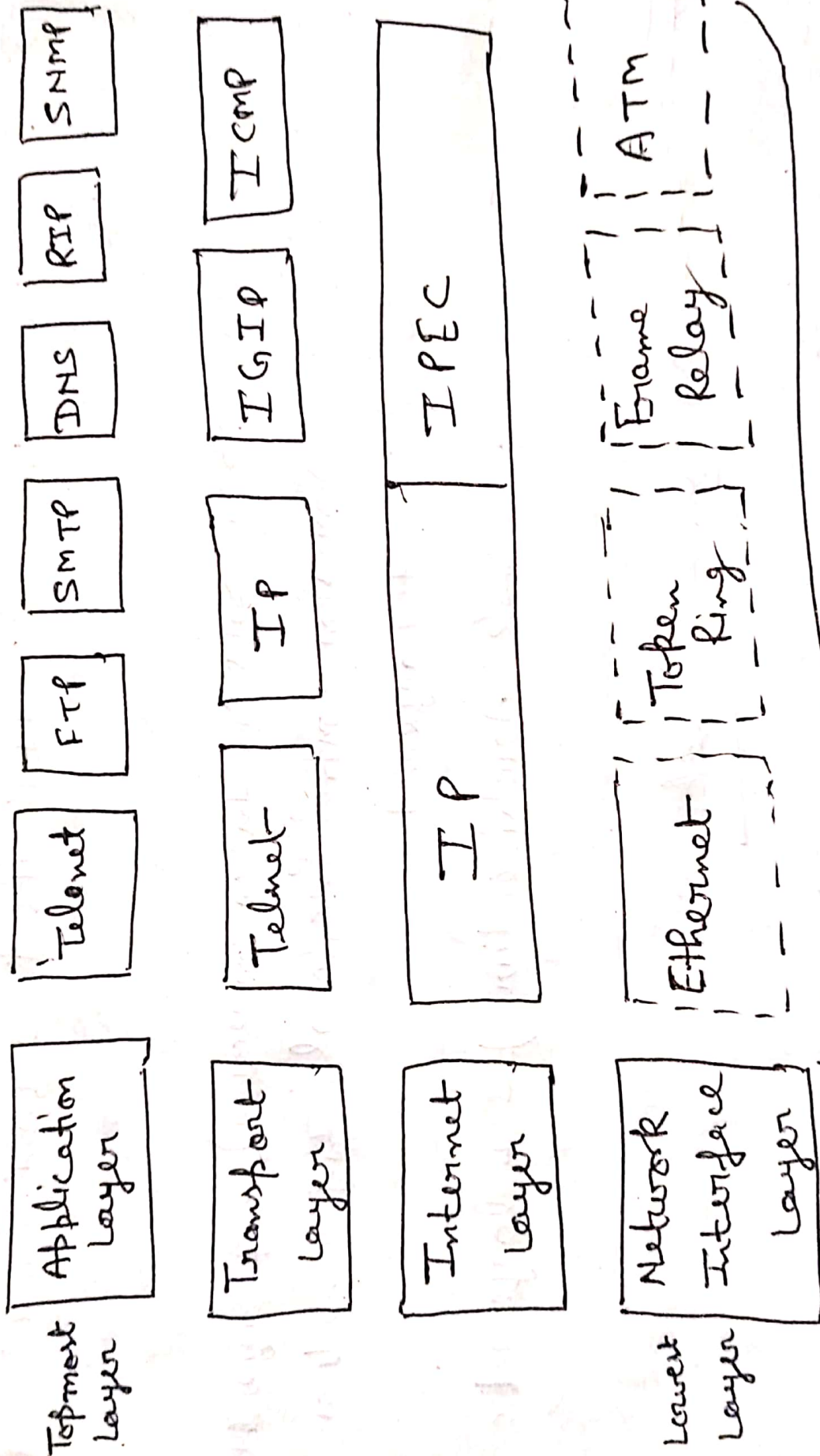


# Tcp/IP model



Tcp/IP protocol suite.

Tcp/IP model

- \* TCP (Transfer Control Protocol) / IP (Internet Protocol), Internet की Basic Communication protocol है।
- \* इसका [redacted] private network जैसे कि Intranet या Extranet में की communication protocol की तरह प्रयोग करते हैं।
- \* ~~TCP~~ TCP/IP Communication का एक ऐसा model है, जिसमें कोई Computer User (client) request करता है और



एक सर्वर को दूसरे सर्वर द्वारा कनेक्ट सेवा देने के लिए web page को send करना प्रदान करता है।

\* TCP/IP एक point to point communication है जिसमें communication किसी एक host से दूसरे host को किया जाता है।

\* TCP/IP से सम्बन्धित अन्य protocol : निम्न है : -

i) Internet Control  Protocol (ICMP)

ii) Internet Gateway Protocol (IGMP) 

iii) Border Gateway Protocol (BGP) etc. 

क TCP/IP में चार layers होते हैं तथा प्रत्येक layer का अपना = 2 निम्न function होता है। 1001-9

(1) Application Layer :- Application Layer, Application को

Network Service provide करती है। इस

layer पर work करने वाले कई Application Protocol हैं  
HTTP, SMTP (SIMPLE MAIL TRANSFER PROTOCOL), FTP (FILE TRANSFER PROTOCOL)

जैसे :-

(2) Transport Layer :- यह Layer Data के transmission में सम्बन्धित होता है। इसमें use कि गये

दो Protocol TCP (Transmission Control Protocol) और UDP (User Datagram Protocol) हैं।



हमें TCP हाथिज विडवसनिज डी एकि Data के Transmission  
 में सहायता मिली है। (technology server) 957  
 \* UDP में Data send करने के बाद हमें चेक करना पड़ेगा कि  
 नहीं होता प्रिण्ट की गइ अनिशित किग या अने  
 Data सहायता का से Receiver के पास पहुच  
 गया है। (technology server) 957



③ Internet Layer :- Internet layer information को sequence से Destination तक पहुंचाता है।

Internet layer इन packet को Data gram को भेजने का कार्य करता है जिसमें internet protocol का use किया गया है और packet का source address अलग-अलग दिया होता है।

④ Network Interface Layer :- यह TCP/IP protocol की सबसे lowest layer होती है। इसे IP packet को frame में बदलती है। IP address को physical hardware address से map करती है और protocol की help से data का physical transmission करती है।



## Connection Oriented Service—इस प्रकार की operation में निम्न processes होते

हैं—

- (i) Connection को स्थापित करना।
- (ii) Information को भेजना।
- (iii) Connection को release करना।

Connection oriented service में communication शुरू करने से पहले connection स्थापित करना होता है, connection के बाद message या information भेजी जाती है और उसके बाद connection release कर दिया जाता है।

Connection oriented service, connectionless services से ज्यादा विश्वसनीय होती है। यदि कोई error होती है तो इसकी सूचना भेजी जा सकती है।

**Example—TCP layer.**

**Connectionless Services—**यह postal service (डाक सेवा) के समान होती है अतः इसमें destination का पूरा address होता है। प्रत्येक message अपने source से destination की ओर route कर दी जाती है। Message भेजने तथा receive करने का काम अलग-अलग हो सकता है। Connectionless services में data भेजते समय यह check नहीं किया जाता कि destination message को receive करने के लिए तैयार है या नहीं। न ही इसमें authentication की आवश्यकता होती है।

**Example—UDP layer.**

Page 4/5